STAR COMICS

IBH

वर्ष १ अंक २२

रु. ३-५०

विलुप्त नगरी

ANURAG DIXIT

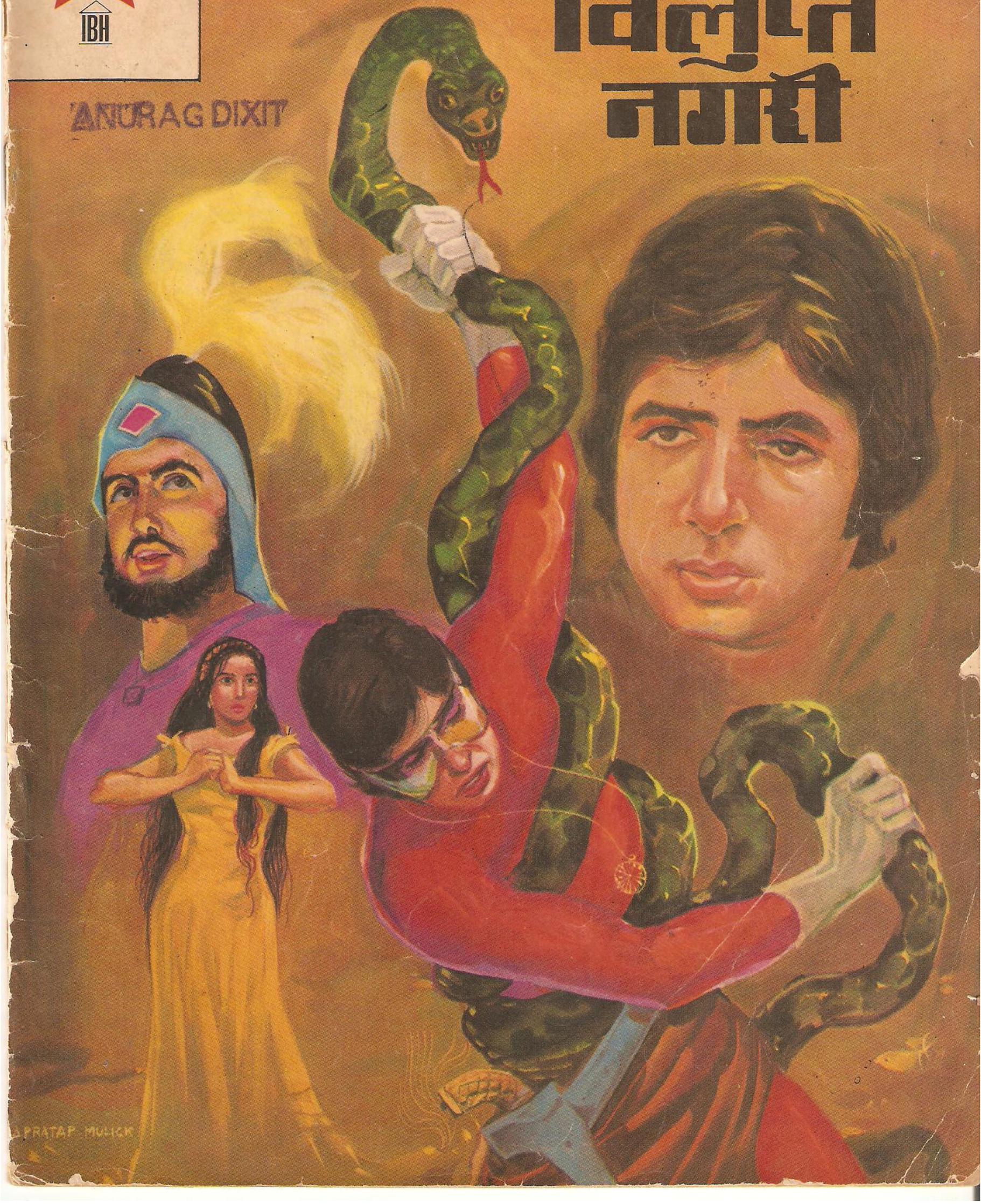

अमिताभ बच्चन

'प्रतीक्षा',
१०वी नॉर्थ-साउथ रोड,
जुहू-पारले स्कीम,
बम्बई ४०००५६

प्यारे बच्चों !
आप और मैं आज से अपने बीच
एक राज़ रखने वाले हैं -
किसी से ये मत कहना कि मैं ही
दुपोमो हूँ !

प्यार
अमिताभ बच्चन

उन्हें आपके सब पत्र
मिले और उसके लिये
आप सबका बहुत-बहुत
धन्यवाद! उन्होंने कहा है
कि अगले महीने भारत
लौटने पर वह आप
सबको खुद पत्र लिखेंगे!
निराश मत होना!
एक महीना दूर नहीं!

प्यारे बच्चो,
आपके लिये अमिताभ
बच्चन का एक संदेश है!

Bakshi

Editor/Author : Pammi Bakshi. Script : Mohan Swaminathan. Script Consultant : Gulzar. Art Director : Pratap Mulick. Artists : Anuradha Vaidya, Shakun Chavan, Balasaheb Mandke, Milind Mulick and Pratap Mulick.

Published by Rauf Ahmed for India Book House Pvt. Ltd., Mahalaxmi Chambers, 22, Bhulabhai Desai Road, Bombay 400 026 and printed by him at IBH Printers, M.V. Road, Marol Naka, Andheri (East), Bombay 400 059.

© INDIA BOOK HOUSE PRIVATE LIMITED

दिन भर की शूटिंग पूरी हुई। सब अपना सामान समेटने लगे।
अब झटपट अपने द्वीप में पहुँचूँ। उम्मीद है शेरू सकुशल होगा। बेचारा बड़ी बुरी तरह गिरा था।
अच्छा अमित, बाइ-बाइ। कल मिलेंगे।
ठीक!
अपने पनडुब्बी में पहुँच कर उसने फौरन कपड़े बदल डाले और अपने गुप्त द्वीप की ओर रवाना हुआ।
ANURAG DIXIT

एक घंटे बाद –

कहो यारो, शेरू कैसा है ?

ठीक हो रहा है।

कहो शेरू बेटे, कैसे हो ? तबियत तो ठीक है न ? तुम्हारी फिक्र ने तो मेरी जान ही ले ली थी, दोस्त !

चलो, अब इसे आराम करने दो।

सागर तट पर –

बस कुछ दिन और, फिर उसका पैर एकदम ठीक हो जायेगा।

अरे देखो, यह बोतल ! जरूर ज्वार के समय किनारे आ लगी होगी।

उसे यहाँ ले आओ। उससे खेलवाड़ करते-करते कहीं चोट न लग जाये।

फुस... ..फुस...

ओ. के.

चल चल मेरे भाई, तेरे हाथ जोड़ता हूँ...

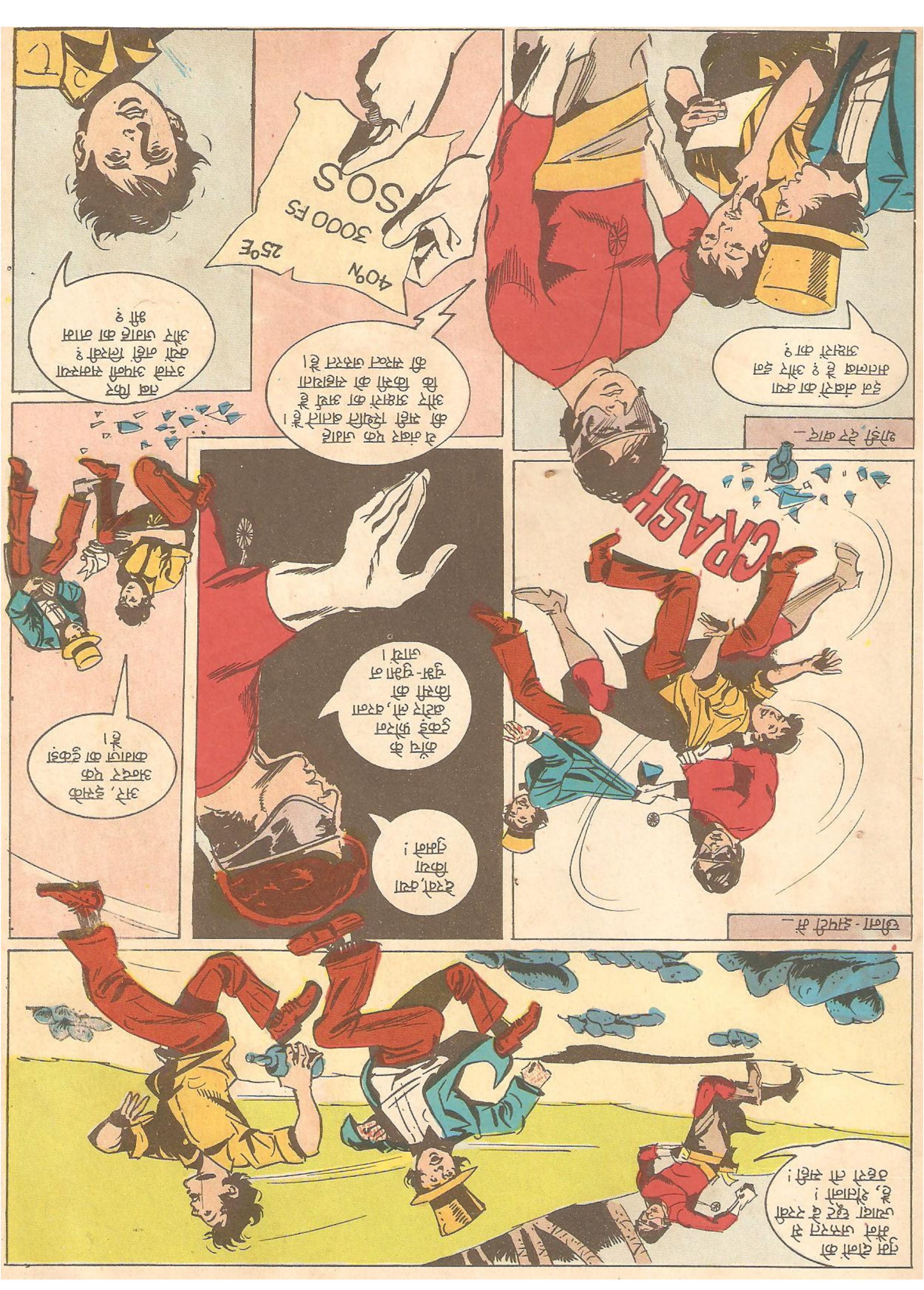
तुम होश में आओ!
अरे, इसके अंदर एक कबाड़े का टुकड़ा है।
कौन है ये अंदर एक जीव है जो मदद की गुहार लगा रहा है और अगर तुरंत उतरना है।
40°N 25°E 3000 FS SOS
CRASH
घोड़ों ने बार-
इन लोगों का क्या मतलब है? और इन अक्षरों का?
नव फिर उसने अपनी सहायक को और जाने का लाख थी?
होला - अपटी तो-
हेरवो, क्या किया जाता!

शायद यह सब उसे खुद भी नहीं मालूम था। या फिर वक्त नहीं मिला होगा। सब कुछ है बड़ा रहस्यमय !
मेरा ख़याल है, इसकी छानबीन करनी पड़ेगी।
हुर्रे ! अब मजा आयेगा !
बहुत खुश न हो ! इस बार तुम दोनों में से किसी को नहीं ले जाऊँगा ।
ऐं...
देखो, भई, थोड़ा समझने की कोशिश करो। यह जगह यहाँ से बहुत दूर है। मैं नहीं जानता कि वहाँ जाने में कितने दिन लगेंगे। अगर हम सब यहाँ से चले गये, तो शेरू की देखभाल कौन करेगा?
और सुप्रीमो इस बार अकेला चल दिया...
अच्छा, दोस्तो, अपना ध्यान रखना। मैं जितनी जल्दी हो सकेगा, वापस आऊँगा।

पनडुब्बी में–

40° उत्तर में, 25° पूर्व में... यह होगा एजियन समुद्र के आसपास। क्या कोई टापू है वहाँ... हूँ! लगता है कोई जहाजी दुर्घटना का मारा है बेचारा! लेकिन 3000 एफ एस का मतलब? कहीं 3000 फैदम* गहरे तो नहीं?

अगले दिन–

ये लो, पहुँच गया... ठीक 40° उत्तर व 25° पूर्व पर... यहाँ कोई द्वीप नजर नहीं आ रहा। लगता है 3000 फैदम नीचे जा कर देखना ही पड़ेगा।

पनडुब्बी की बॅलास्ट टंकियों में पानी भरने लगा, और वह नीचे जाने लगी।

अचानक–

अरे! एक गुफा-सी दिखाई दे रही है। पनडुब्बी वहाँ नहीं ले जायी जा सकती। यहीं खड़ी कर के, मैं भीतर जा कर तहकीकात करता हूँ।

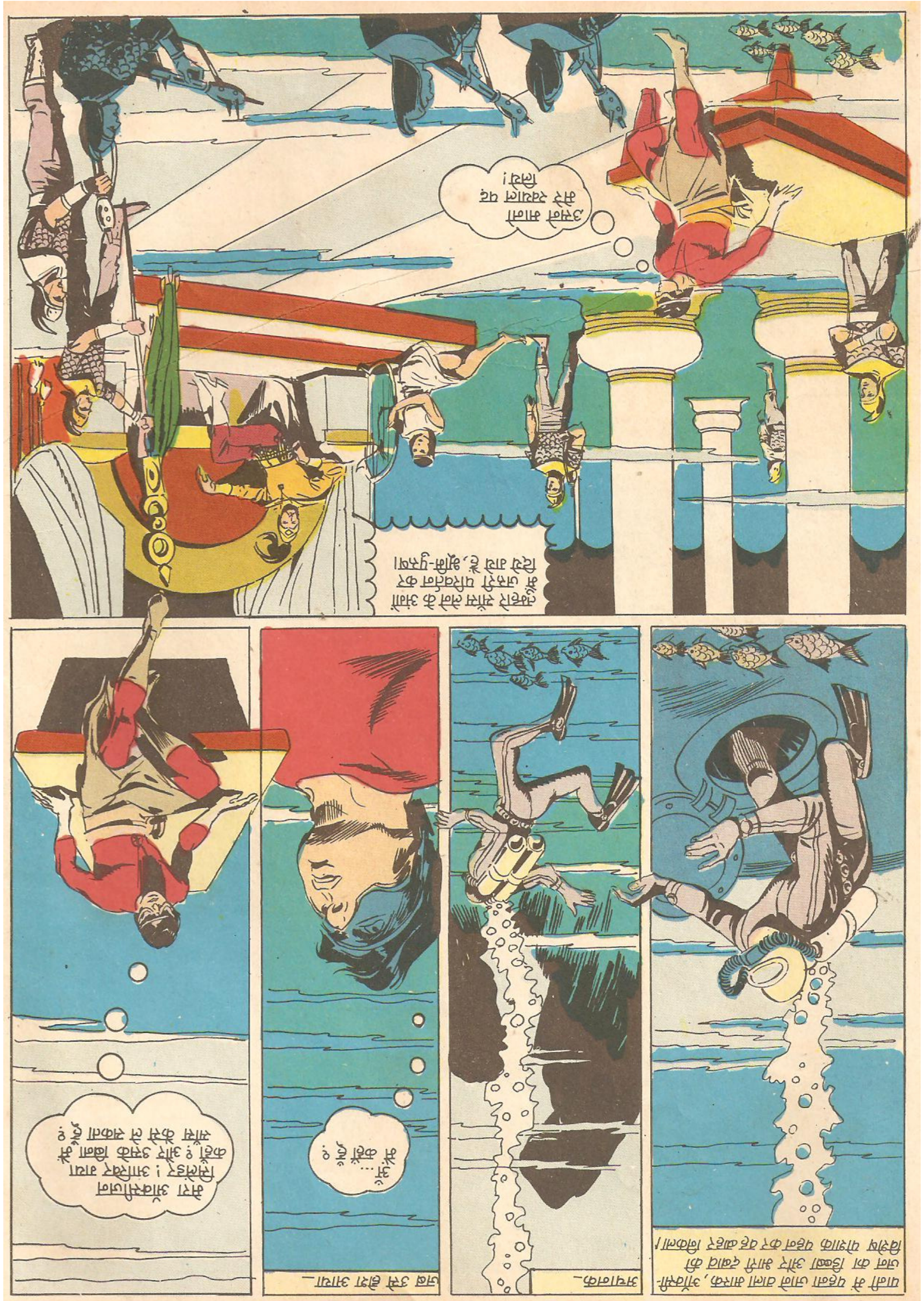
पाली में पहला जोड़ा जाना आरक, ऑक्सीजन का डिब्बा और आगे रवाना की विशेष पोशाक पहन कर वह अंदर लिफ्ता।
अचानक...
जब उसे होश आया...
अरे कहाँ गये ?
मैंने सोचा कोई तैराक आया कहाँ ? और उसके बिना मैं सोच कैसे तो सकता हूँ ?
गहरे रोमन तैर के आवाँ में जरूरी परिवर्तन कर दिये गये हैं, क्रीम-पुरुष।
उसने आवाज़ दी ताकि वह अपने घर पहुँच सके।

हाँ, हमने एक-दूसरे के विचार पढ़ने की कला सदियों पहले सीख ली थी। हमने देखा कि इससे शक्ति की बहुत बचत होती है।

तब आप बोलते क्यों हैं? आप अपने विचार मुझ तक प्रक्षेपित क्यों नहीं कर देते?

क्योंकि, भूमि-पुरुष तुम्हारा मस्तिष्क अभी भी आदिम अवस्था में है। वह मेरी विचार लहरें ग्रहण ही नहीं कर सकता।

और, आप मेरी भाषा कैसे बोल लेते हैं?

तुम भूल कर रहे हो, भूमि-पुरुष। मैं नहीं बोल रहा। यह सूक्ष्म कंप्यूटर मेरे विचार तुम्हारे समझने लायक भाषा में बोल रहा है। और जो तुम बोलते हो, यह उसे ऐसे विचारों में बदल देता है, जो मैं समझ सकूँ।

आप मुझे भूमि-पुरुष नाम से बुला रहे हैं। आप कौन हैं? क्या आप इस पृथ्वी के नहीं हैं?

यहाँ सब मुझे आमंड कहते हैं... राजा आमंड। मेरे साथ आओ, सब समझाता हूँ।

4000 वर्ष पहले तुम्हारे एक दार्शनिक प्लेटो ने अटलांटिस नामक एक अत्यधिक उन्नत सभ्यता का वर्णन किया था। यह सभ्यता उसी स्थान पर स्थित थी, जहाँ आज पॉम्पेई नगर के खंडहर खड़े हैं।

तुम्हारे इतिहासकार एवं अन्य पंडित अटलांटिस के विलुप्त हो जाने के अलग-अलग कारण बताते हैं – बाढ़, प्रलय, युद्ध, आदि, आदि – बस एक सही कारण को छोड़ कर! अटलांटिस की कहानी पुरानी किताबों और आलेखों में पड़ी-पड़ी धूल खा रही है। धीरे-धीरे लोग इसे भूल जायेंगे... ठीक यही तो अटलांटिस निवासी चाहते थे!

अटलांटिस-वासी बड़े ही बुद्धिमान, दूरदर्शी व सुसंस्कृत थे। उन्हें अनुमान लगाते देर न लगी कि एक-न-एक दिन पृथ्वी बेशुमार आबादी, भूख, महामारी और युद्ध आदि का शिकार बन कर नष्ट हो जायेगी।

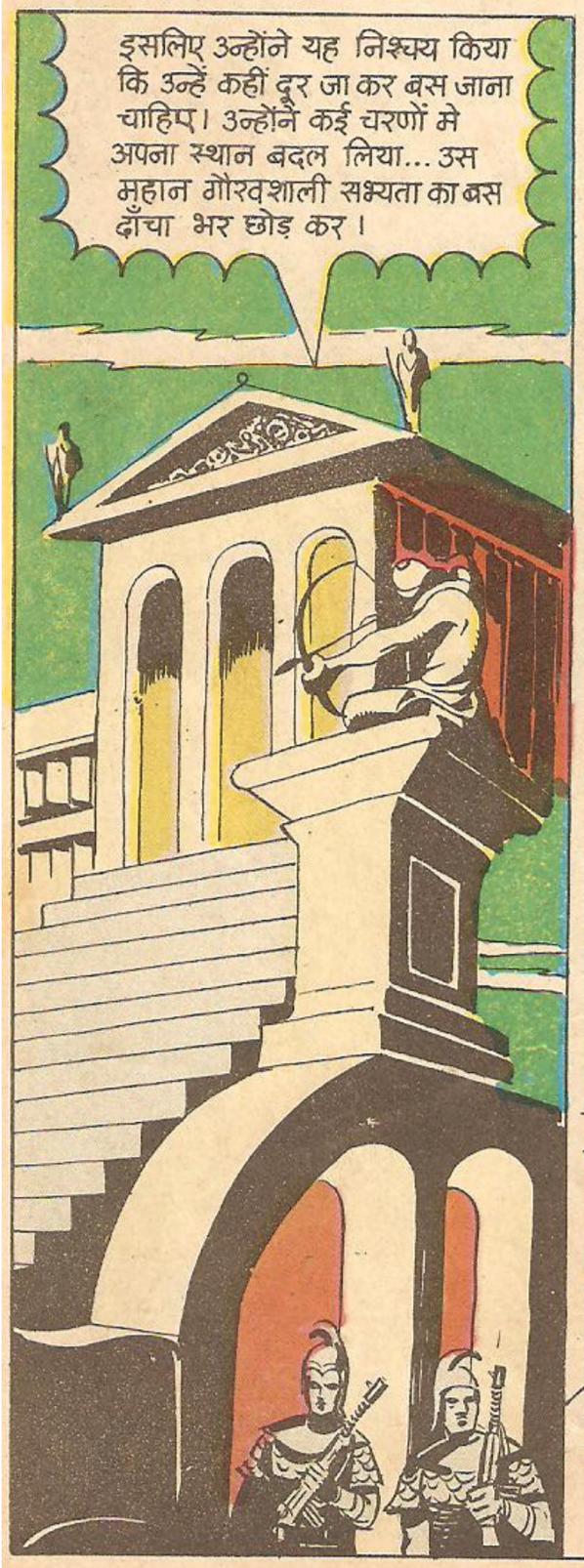
इसलिए उन्होंने यह निश्चय किया कि उन्हें कहीं दूर जा कर बस जाना चाहिए। उन्होंने कई चरणों मे अपना स्थान बदल लिया... उस महान गौरवशाली सभ्यता का बस ढाँचा भर छोड़ कर।

और उसके बाद उन्होंने मनुष्य जाति के साथ सबसे बड़ा धोखा किया–उन्होंने वीरान, मुर्दा शहर पर विसूवियस ज्वालामुखी फटने का प्रबंध किया।
लेकिन वे गये कहाँ?

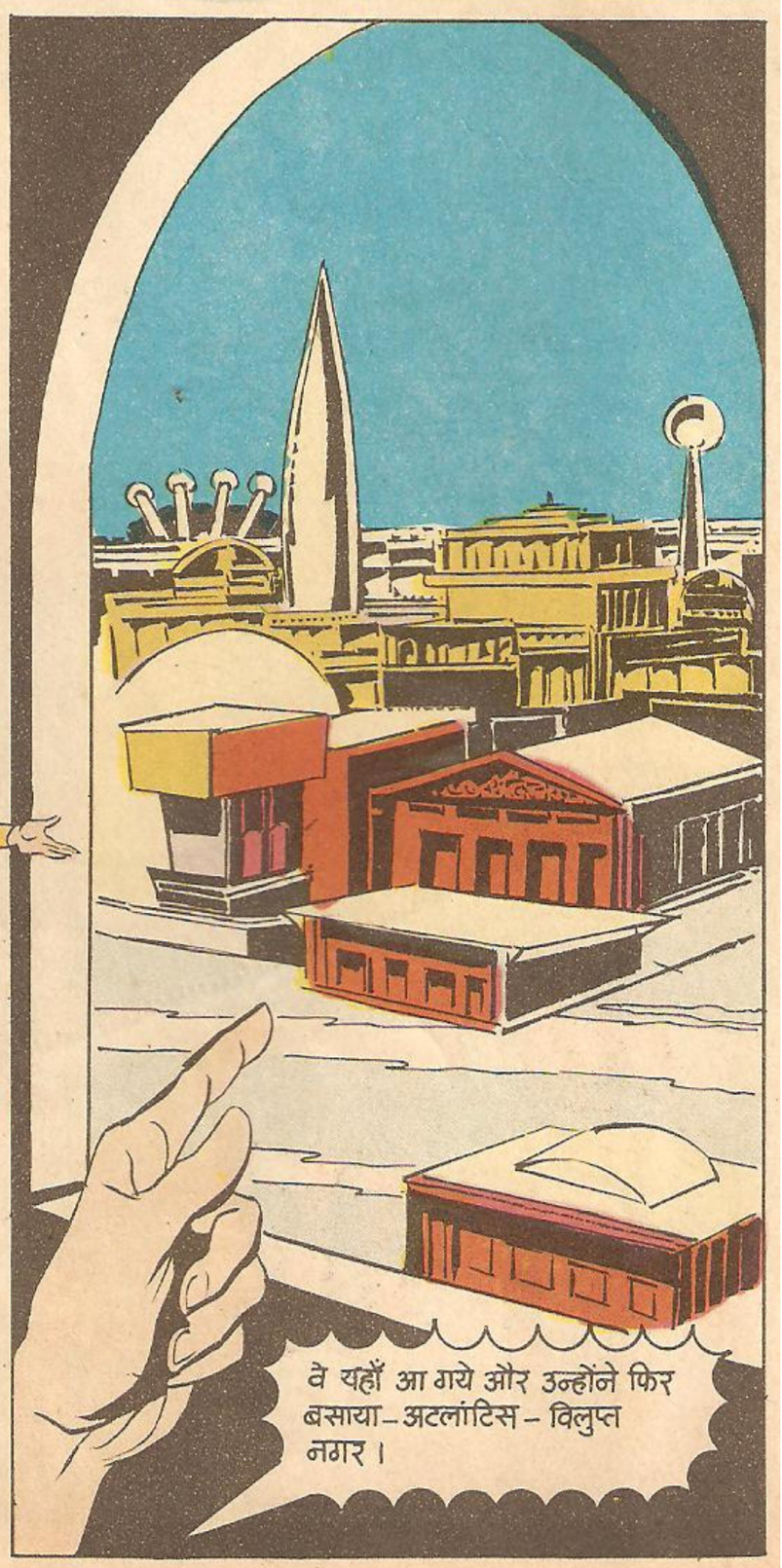
वे यहाँ आ गये और उन्होंने फिर बसाया – अटलांटिस – विलुप्त नगर।

शताब्दियाँ गुजरती गयी और वे भी जरुरी परिवर्तनों में ढलते गये। उन्होंने खुद को नये वातावरण का आदी बना लिया। आओ, मैं तुम्हें सब दिखाता हूँ।

ये हैं प्लैंकटन और अल्जाई के खेत। धरती के वैज्ञानिकों ने अब जा कर पता लगाया है कि प्लैंकटन प्रोटीनयुक्त पोषक भोजन बन सकता है।

ये हैं हमारे विशालकाय जेनेरेटर। इन सशक्त लैंसों से सूर्य का प्रकाश उन सौर-पट्टों पर पड़ता है, जो इस प्रकाश से ऊर्जा प्राप्त करके उससे काम लेते हैं, व भविष्य के लिए जमा भी कर लेते हैं।

इस यंत्र से किरणों का वह परदा संचालित किया जाता है जो हमारे नगर के चारों ओर पड़ा है। तुम सबसे पहले उसी परदे से टकराये थे। कोई भी हमारे जाने बिना यहाँ आ सकता है, न जा सकता है।

यह हमारी शिशु-शाला है– पृथ्वी की किंडरगार्टन के स्तर की।

ये क्या पढ़ रहे हैं?

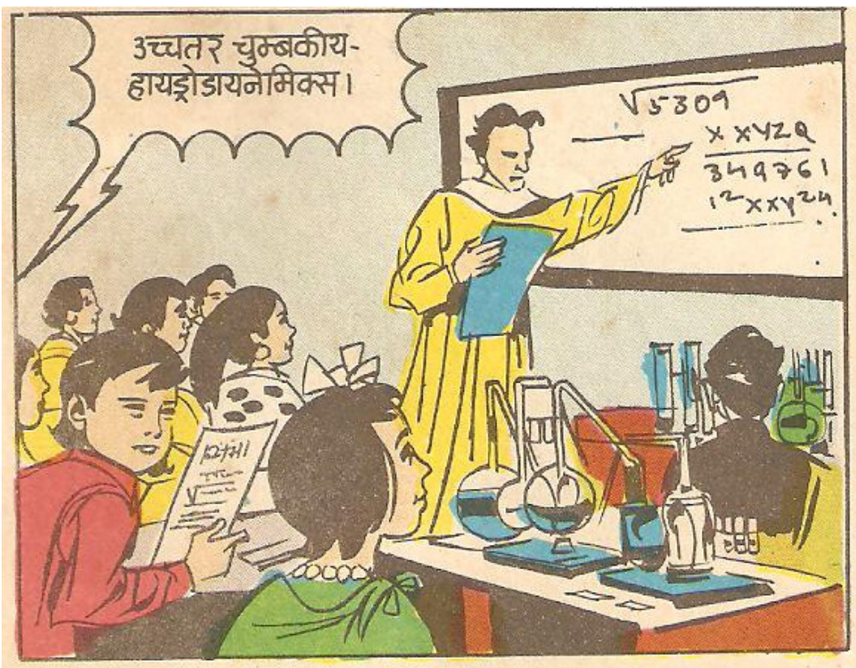
उच्चतर चुम्बकीय-हायड्रोडायनेमिक्स।

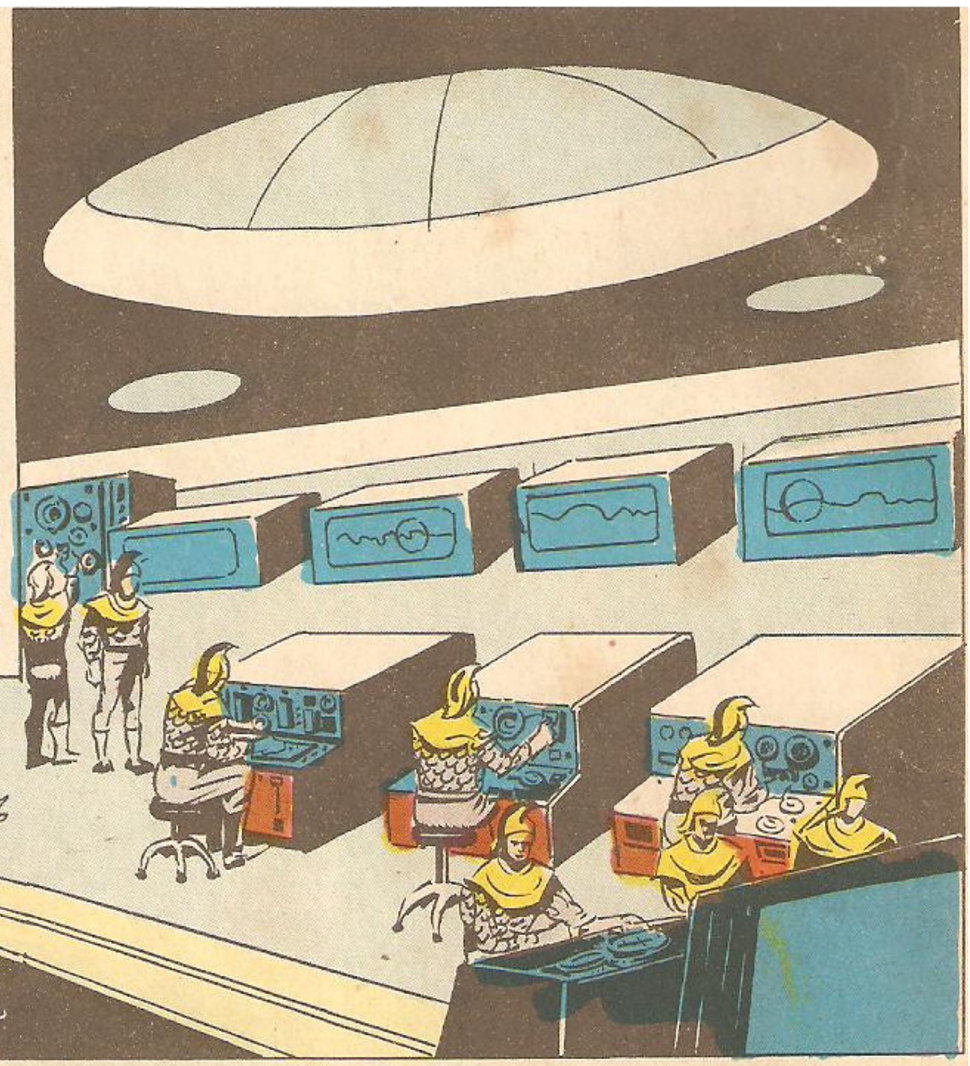
और यह है हमारा अवलोकन-कक्ष। यहाँ से हम न केवल अपने शहर पर, बल्कि पृथ्वी और सारे सौर मंडल पर भी नजर रख सकते हैं।

महाराज ! उत्तर-खंड में इलेक्ट्रिक रे मछलियों का बड़ा समूह घुस रहा है।
आहा ! हमारे भूमि-पुरुष के मनोरंजन का प्रबंध हो गया। रक्षक-दल को उस ओर भेज दो। मेरे साथ चलो, भूमि-पुरुष !

हम यहाँ से देखेंगे।
ये हथियार कैसे हैं ?

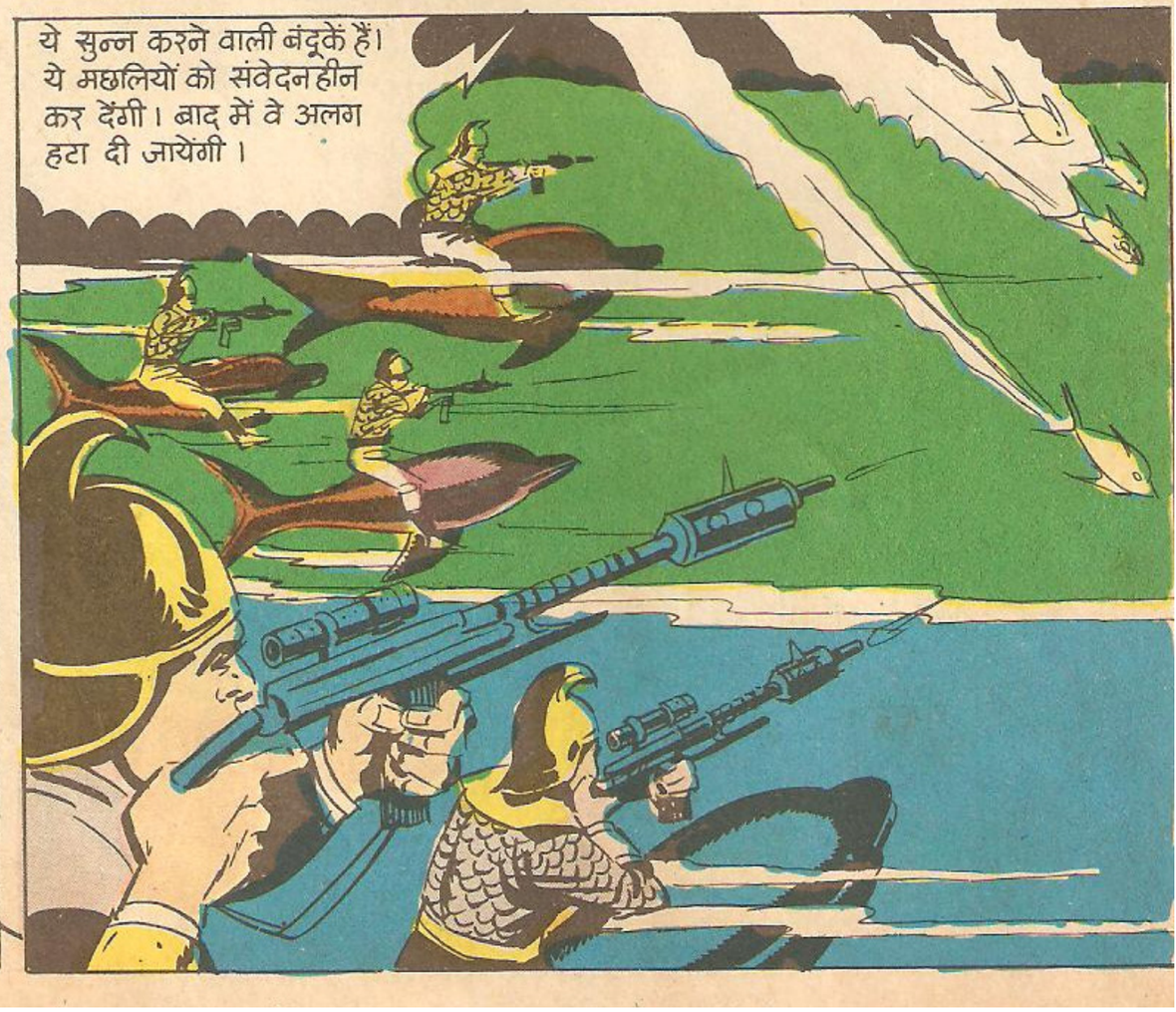
ये सुन्न करने वाली बंदूकें हैं। ये मछलियों को संवेदनहीन कर देंगी। बाद में वे अलग हटा दी जायेंगी।

वे मछलियाँ परदे के पार कैसे आ गयी ?

अरे, वे अक्सर इधर आ जाती हैं। उनका संयुक्त विद्युत-क्षेत्र इतना सशक्त हो जाता है कि वे परदे की विद्युत को निष्क्रिय कर देती हैं।

यह हमारा मन्दिर है। आओ, तुम्हें अपने देवता दिखाऊँ।

देखो - हम इनकी पूजा करते हैं - ज्ञान देवता की। हमारे पूर्वजों द्वारा अर्जित सभी ज्ञान एक सूक्ष्म माइक्रोफिल्म में संचित है। जैसे-जैसे नयी बातें पता लगती जाती हैं, हम नयी-नयी फिल्म जोड़ते जाते हैं।

मेरी बहन, टाइटेनिया से मिलो। यह इस मन्दिर की मुख्य पुजारिन है।

नमस्कार !

क्या भूमि-पुरुष तुम्हारा मेहमान है, आमंड ?

यह अभी देखना है... अगर यह हमारा साथ देगा, तभी !

क्या मतलब आपका ?

मैं तुमसे साफ-साफ बात बता दूँ, भूमि-पुरुष। तुम अपनी जाति के उत्कृष्ट उदाहरण हो... पहले पकड़े गये नमूने के विपरीत !

* चूहे की एक जाति, या कोई भी जानवर जिसपर वैज्ञानिक प्रयोग किये जाते हैं।

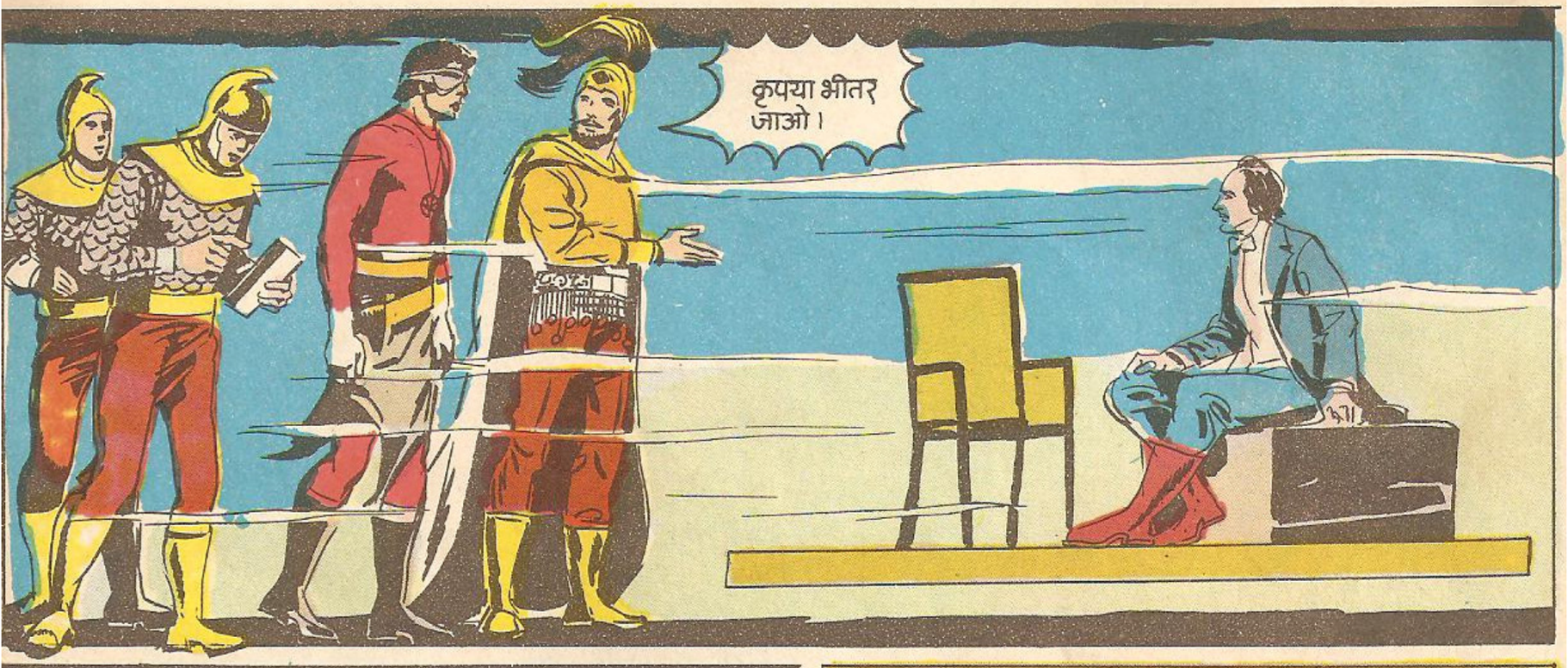
कृपया भीतर जाओ।

वहाँ कुछ देर आराम करो। मैं तुमसे बाद में बात करूँगा।

मैं सुप्रीमो हूँ। आप कौन हैं?
मेरा नाम राबर्ट टेलर है। मैं करीब छह सप्ताह पहले एक जहाज से नीचे गिर पड़ा।

क्या बोतल में संदेसा आपने भेजा था?
हाँ। पर मुझे जरा भी उम्मीद नहीं थी कि वह किसी को मिलेगा।

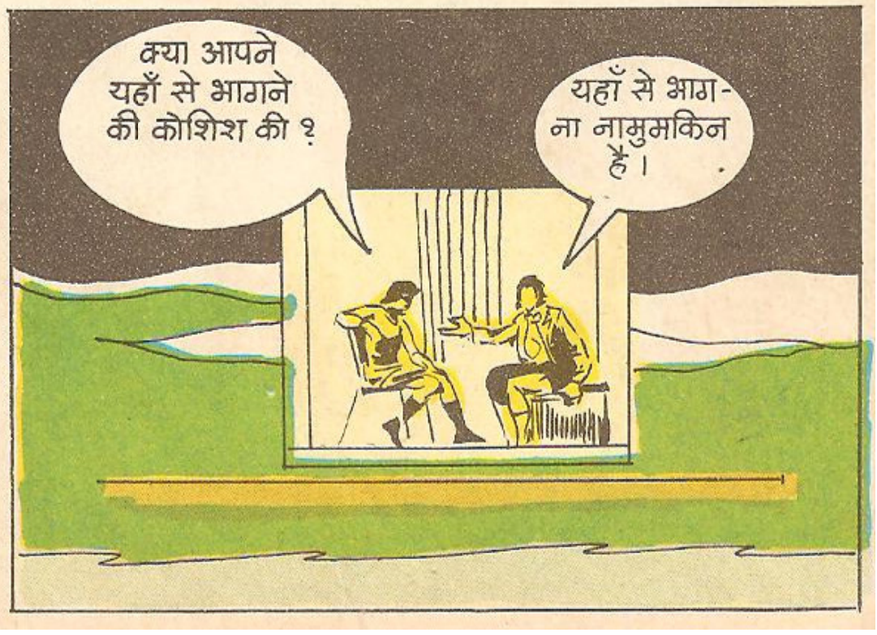
क्या आपने यहाँ से भागने की कोशिश की?
यहाँ से भागना नामुमकिन है।

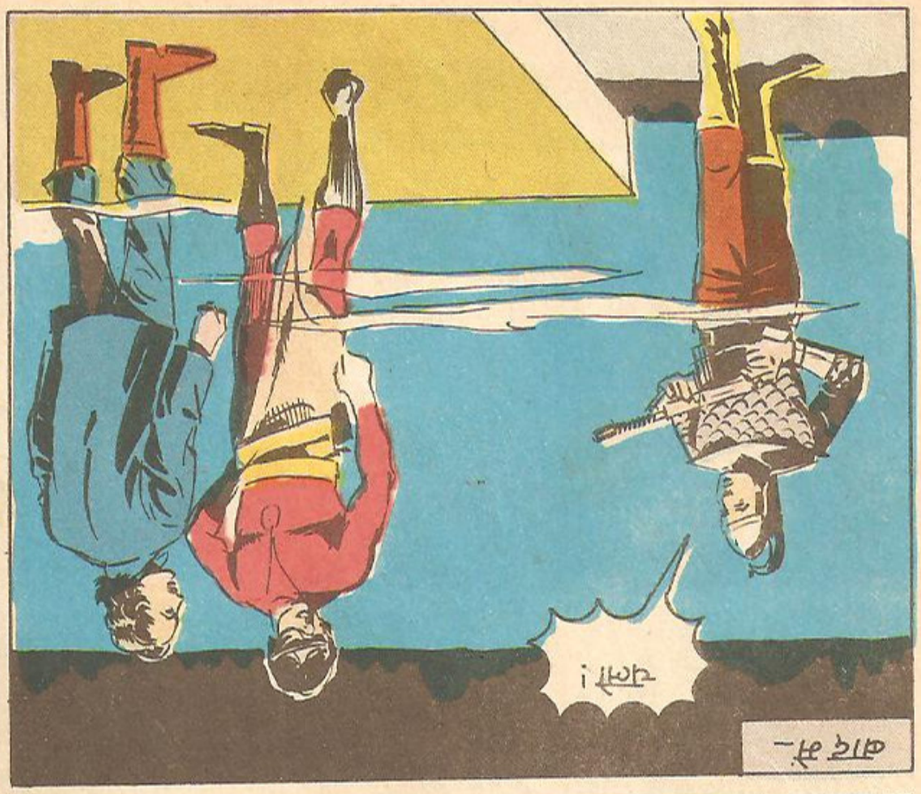
धमाँ!
डार्क नाइट

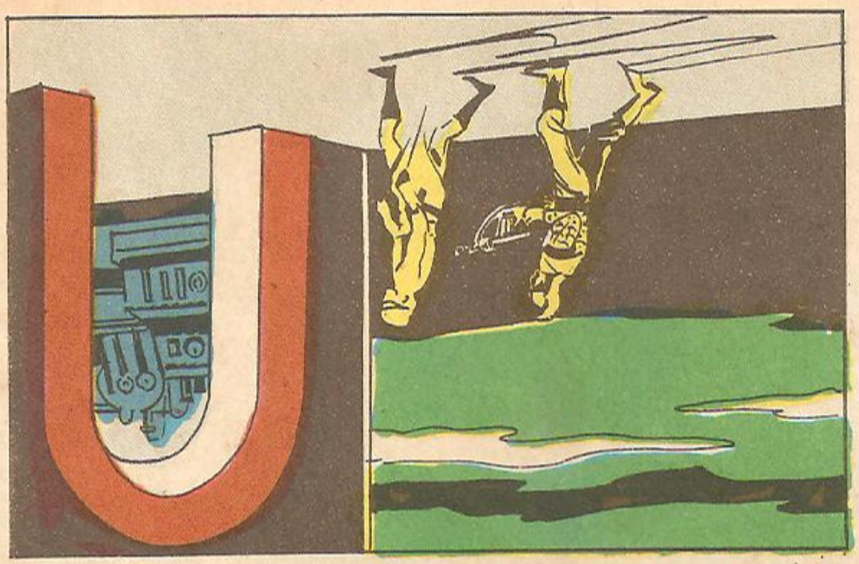

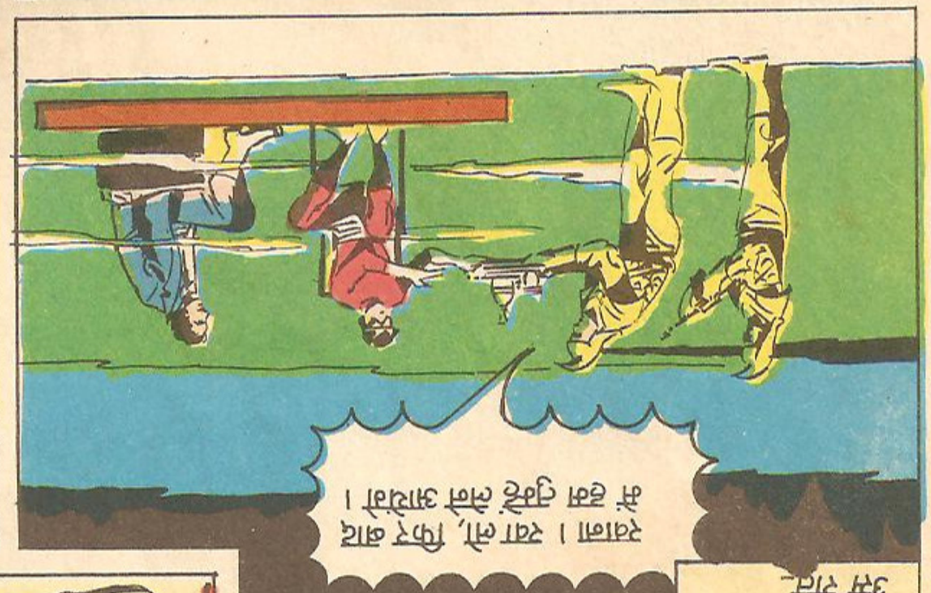
रवाना। रवाना नहीं, फिर डार्क नाइट को दुबारा नहीं है उनका!
ह्युक है, हमें झूरने आरनो
हमारी घरनी पर भी प्रयोगशालाओं में डाली गिया की झूरवा नहीं रखा जाता।

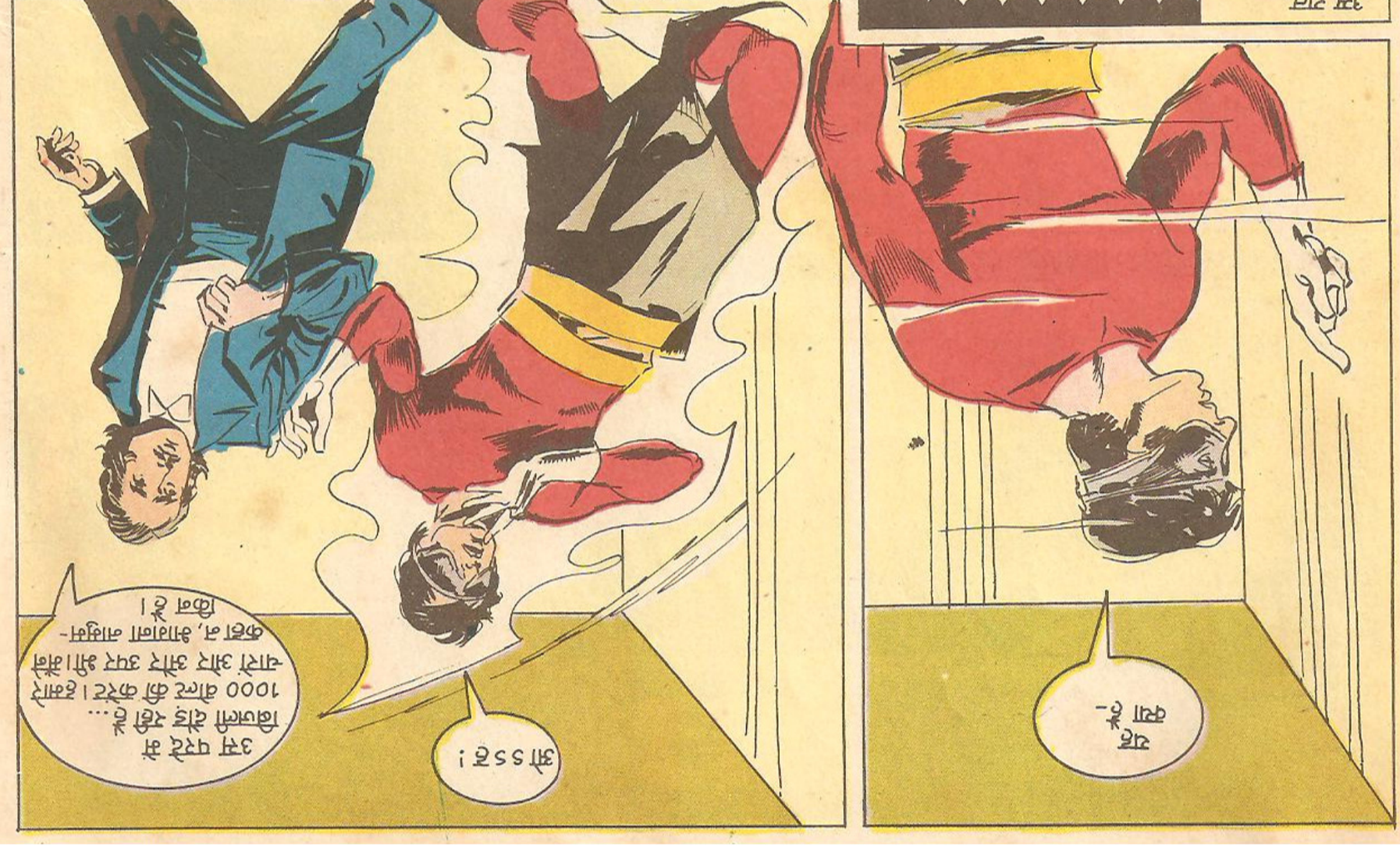
यह क्या है–
आऽऽह!
उन पत्रों में डाकाली दोड़ रही है... 1000 वोल्ट की करेंट। हमारे चारों ओर और उपर भी। मैंने कहा न, भीतावाला नाखुन-छेत है।

बिजली शुरू !

वोल्टेज बढाओ।

आह !

वाह ! यह नमूना बेहतरीन है ! आज रात का काम पूरा हुआ। इसे वापस ले जाओ।

जब वे पिंजरे के बाहर पहुँचे—

शाबाश !

अब यह परदा उठ क्यों नहीं रहा ?

कोशिश अच्छी थी, भूमि-पुरुष, लेकिन बेकार गयी। परदा निष्क्रिय करने का बटन केन्द्रीय कंप्यूटर से जुड़ा है, जो सूचना मिलने पर परदा निष्क्रिय कर देता है – लेकिन तभी जबकि सूचना-संकेत उसका जाना-पहचाना हो। तुम नये, अजनबी हो, कंप्यूटर तुम्हें नहीं पहचानता, इसलिए परदा नहीं खुला।
लाओ, अब वह बटन मेरे हवाले करो और चलो भीतर! और खबरदार अब कोई चाल-वाल नहीं चलना ! इस बार तुम्हें माफ किया जाता है ।

उफ़ ! इस बार गड़बड़ हो गयी !

क्या भागने का और कोई रास्ता नहीं है ? फर्श का रास्ता कैसा रहेगा ?

फर्श का रास्ता ?

हम फर्श फोड़ कर उसके नीचे से नहीं निकल सकते क्या ?

जरा फर्श और समुद्र-तल के बीच की जगह का मुआयना करो। एक चूहा भी वहाँ से नहीं निकल सकता।

अगर हम यह पिंजरा अपने सिर के ऊपर उठा लें, तब ?

मैंने वह कोशिश भी की थी। वह भी नामुमकिन है। पिंजरा काफी सशक्त चुम्बक द्वारा अपनी जगह पर जकड़ा हुआ है।

मुझे एक बात अभी भी समझ में नहीं आ रही। यह पिंजरा सागर-तल से थोड़ा-सा ऊपर क्यों टंगा है ? उसके ऊपर क्यों नहीं रखा ?

उससे क्या फर्क पड़ता है ?

बात कुछ गले से नहीं उतर रही...

मुझे उससे कोई मतलब नहीं है। मैं बस अपनी पृथ्वी पर, अपने घर लौटना चाहता हूँ।

पृथ्वी पर ! अर्थ * ! हाँ, हाँ !

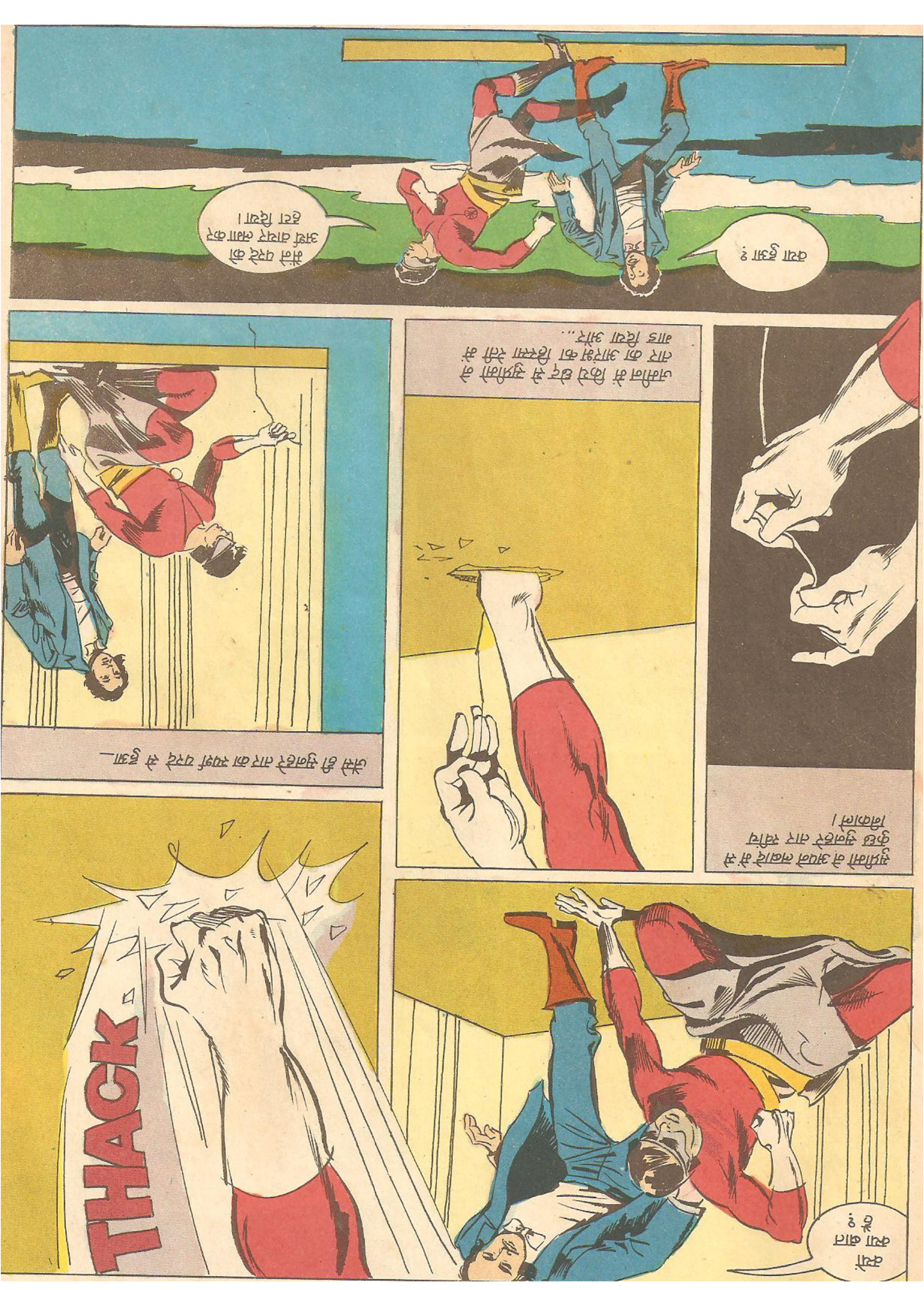
क्या बात है ?
THACK
ग्युरीला ने अपने लबादे में से कुछ सुलहरे तार निकाल लिए।
उसने ही सुलहरे तार का सपर्श पत्थर से हुआ—
जेनीनिला ने किसी छेद से ग्युरीला ने तार का आरंभ का हिस्सा देखा और आँख फिरया और...
क्या हुआ ?
मैंने पत्थर को अपने बायाँ लबादा कर हटा दिया।

पीछे हटो! कोई आ रहा है।
उसके ही वह सिपाही होगा, उसको छाती पर लगाया बटन दबाया और—
R R R I N G . . R I N G . R
ई ठ्ठ
ई अहाहाहा! अब बुरे फँसे! चली आओ!

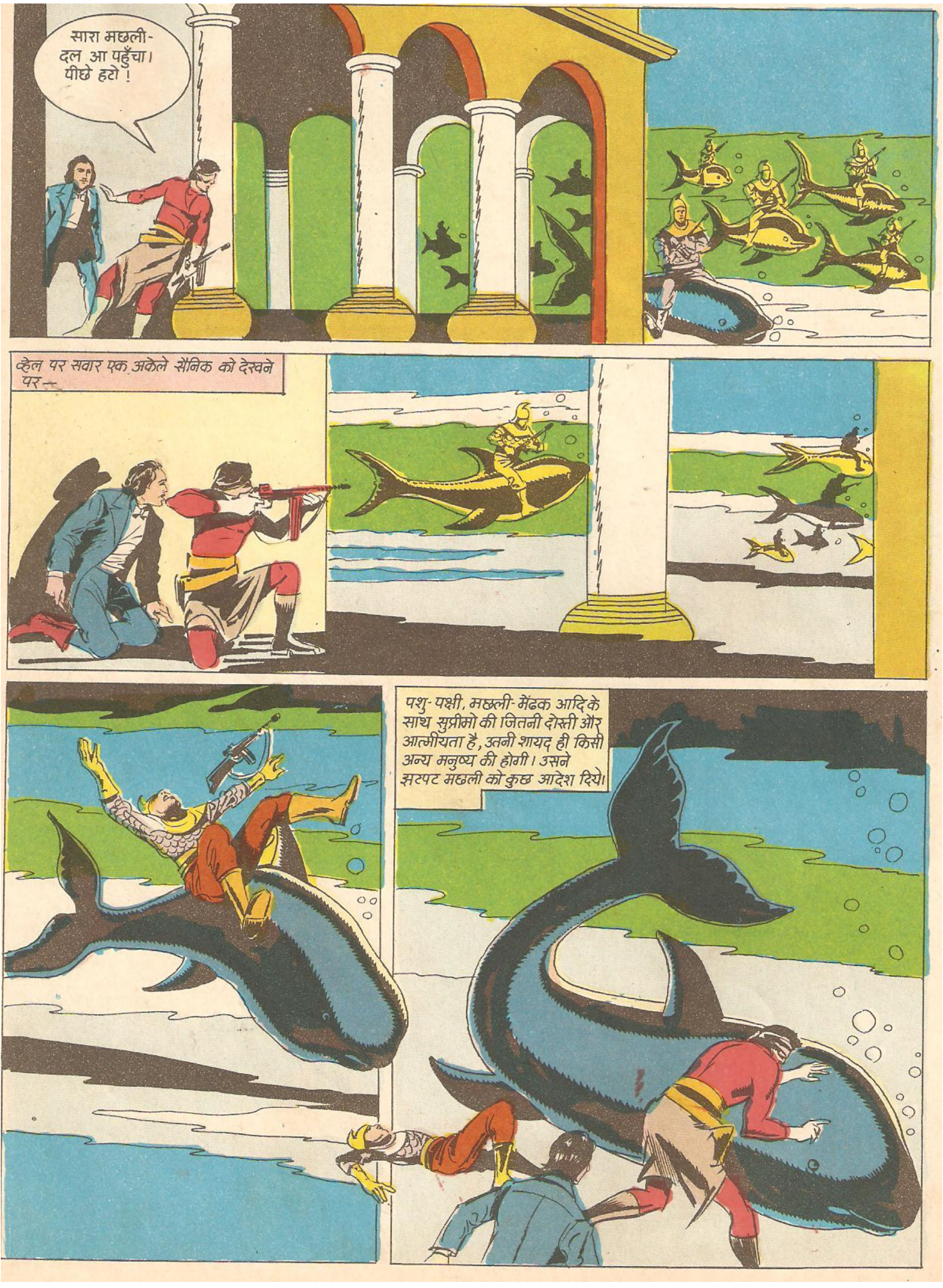
सारा मछली-दल आ पहुँचा। पीछे हटो !
व्हेल पर सवार एक अकेले सैनिक को देखने पर—
पशु-पक्षी, मछली-मेंढक आदि के साथ सुप्रीमो की जितनी दोस्ती और आत्मीयता है, उतनी शायद ही किसी अन्य मनुष्य की होगी। उसने झटपट मछली को कुछ आदेश दिये।

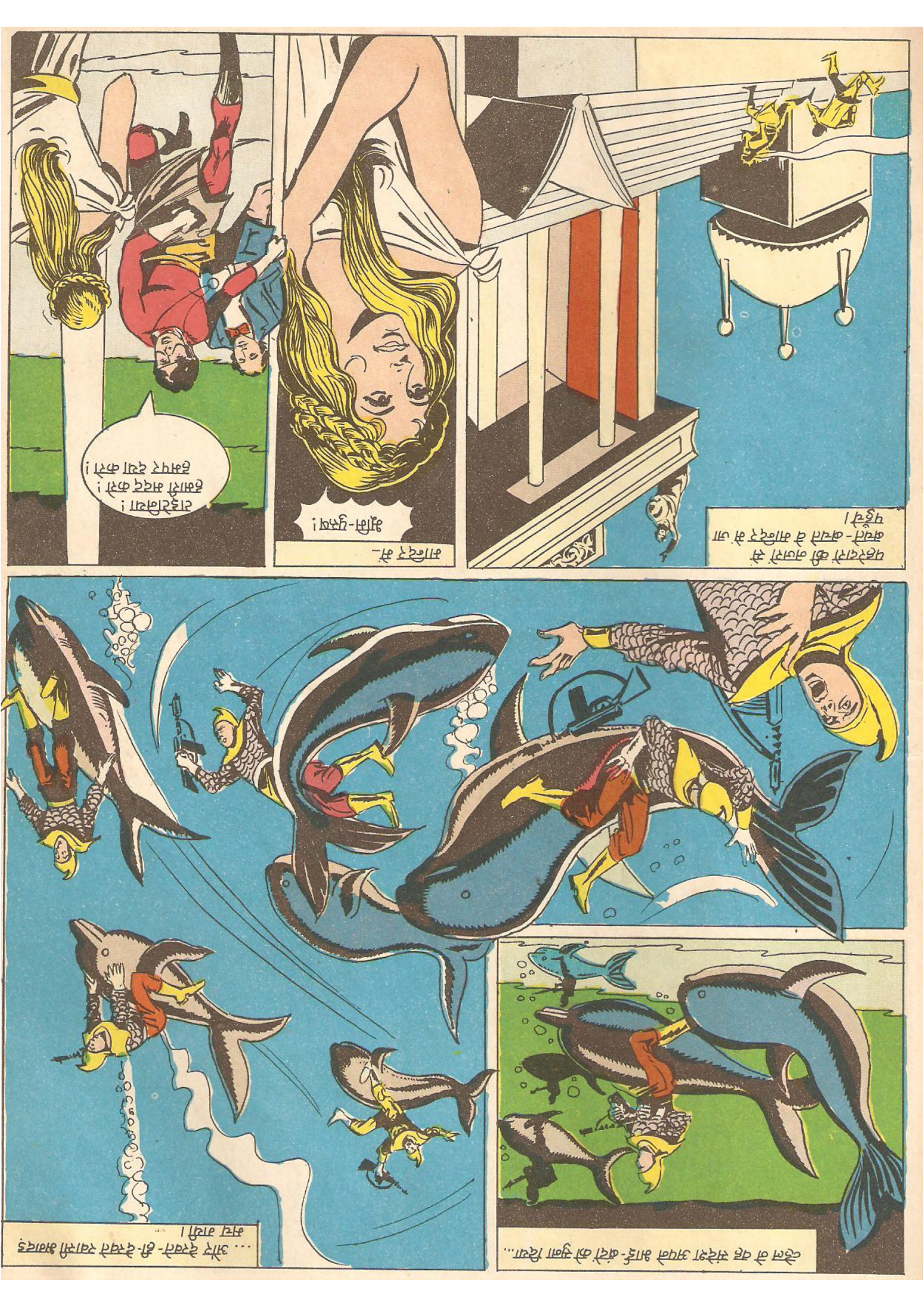
ऐसा तो वह संदेशा अपना भाई-बंदों को सुना रहा...
... और देखते-ही-देखते खामखी भगदड़ मच गयी।
पहरेदारों की लापरवाही से बचते-बचते वे मालिक के जा पहुँचे।
मालिक के भेजे-
अरीबी-पुरमा!
टाइटेनिया! हमारी मदद करो! हमपर दया करो!

तब उसने अपनी से सिर घुमाया, फिर सिर उठाया और अँधेरे गलियों।
वे आपस में हैं !
अँधेरे उतरा अमेरिक स्वरूप बिखरे दिया । अब वे कहीं और बूढ़ी रूप नेत्रों । घबराओ मत, उन्हें कोई लुकमान नहीं पहुँचेगा ।
अमेरिक स्वरूप बिखरा दिया ? कहीं और ... यह सब ही क्या रहा है ?
सवाल मत पूछो, हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है ।
जब वे आगे बढ़े–
सँभलो !

धन्यवाद !

ऐं ! यह एक और आया ! बात क्या है ? क्या कोई भूचाल आ गया है ?

नहीं । अब मेरा भाई खुद लड़ाई में शामिल हो गया है। टेलिकिनेसिस उसकी अपनी विशेषता है ।

तुम्हारा मतलब तुम्हारा सिरफिरा भाई दूर-नियंत्रण से ये चट्टानें हमपर फेंक रहा है ?

हाँ, ऐसा ही समझो। वह मुझपर बहुत बिगड़ेगा।

बच के ! एक और सौगात आ रही है !

टाइटेनिया के मार्गदर्शन में, मिसाइलों से बचते हुए वे आगे बढ़ चले ।

अचानक–
कृपया उसे बचाइए !
मैं मजबूर हूँ। वह मेरे भाई का प्यारा साँप है !
ऐसा है, तो मैं इससे निपटता हूँ !
रुको ! इसे मत मारो ! मैं इसे सँभालता हूँ।
पाँच मिनिट की जद्दो-जहद के बाद –
भूमि-पुरुष, तुम वास्तव में मेरी सहायता के हकदार हो !

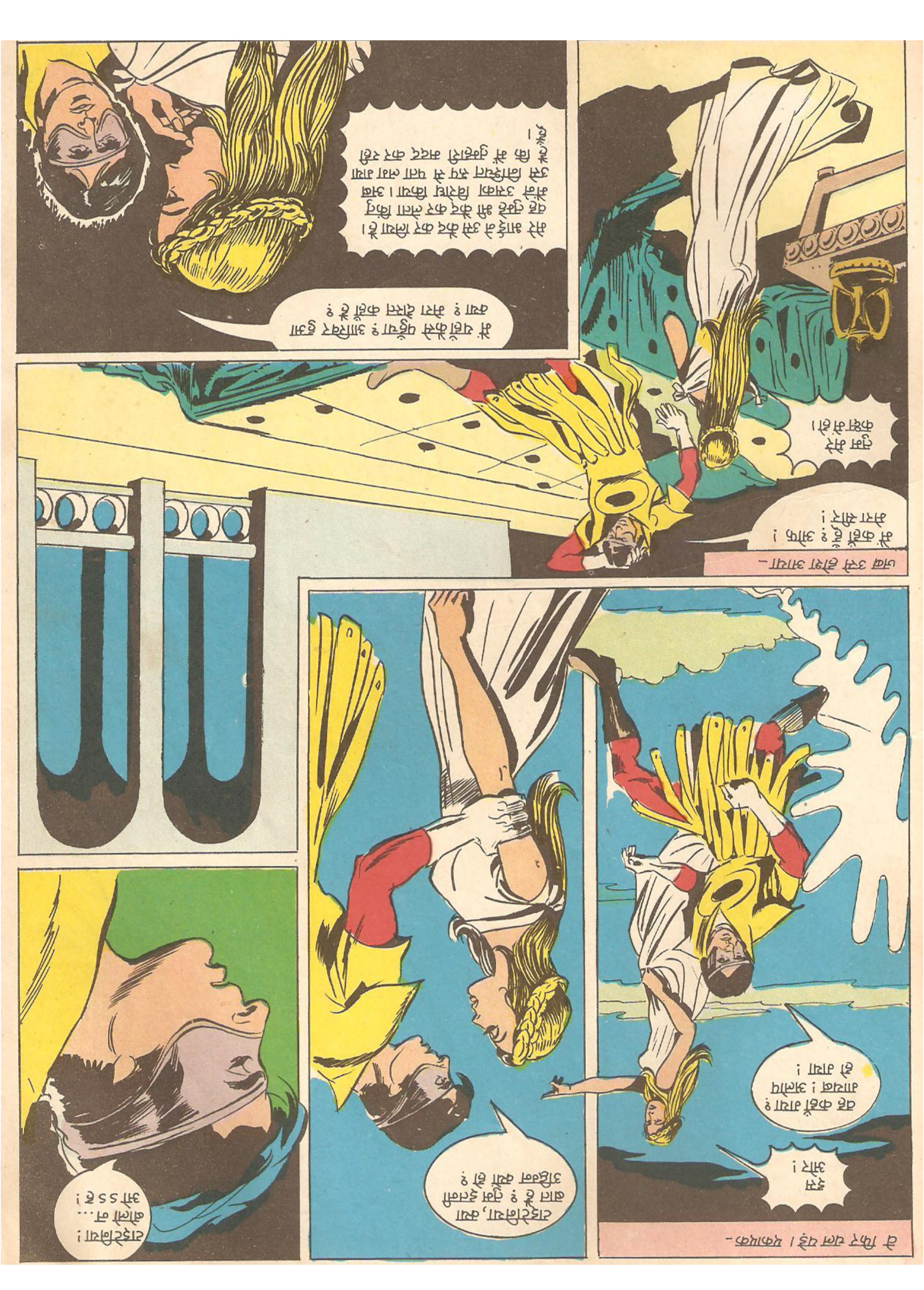
दे फिर यम पड़े। एकाएक-
हम और !
वह कहाँ गया ? अदमी अजब ! अलीप हो गया !
दाइटोनिया, क्या बात है ? तुम इतनी उद्विग्न क्यों हो ?
दाइटोनिया ! बोलो न... आऽऽऽ !
उस अरसे हेरा आया-
क्यों कहाँ हैं ? आफ ! अरा सीर !
तुम और कहाँ की हो।
क्यों आई ? आखिर हुआ क्या ? अरा हेरस कहाँ है ?
और आई वे उसे कैद कर लिया है। वह तुझे भी कैद कर लेता किंतु अंतर उसका विरोध किया। अब उसे लिविंगस्टन रुप से पता लग गया ज्यूपेंग कि क्यों गुहारी अदद कर रही।

हमें उसे बचाना ही होगा। उसके लिए ही तो मैं यहाँ आया हूँ। वह कहाँ होगा?

मेरे भाई के पास।

तुम्हारे भाई को सबक सिखाना पड़ेगा। जल्द-से-जल्द!

बाहर आने पर–

ठहरो!

कोई फायदा नहीं, भाई। यह देखते हो? मेरी ढाल!

पकड़ो उसे!

हाँ, यह मेरी पसंद की लड़ाई है! अब पता लगेगा कि नुमाइशी हथियारों के बिना तुम क्या कर सकते हो! हो जाये!

आह !
भूमि-पुरुष, ऐसा युद्ध करना भला तुमने कहाँ सीखा ?
पृथ्वी पर ! आओ, चलें।
अचानक –
आऽऽह !
क्या हुआ ?

मेरा भाई... मुझे कमजोर... बना रहा है... अपना माथा... मेरे हाथ के पास लाओ... और... मेरी आँखों में देखो... ध्यान लगाओ...

धीरे- धीरे-

आमंड, तुम जो भी कर रहे हो, न्याय संगत नहीं है।

राज्य के मामलों में दखल मत दो, टाइटेनिया। तुम उन्हें क्या समझो !

जरूर दखल दूँगी! तुम हमारी जाति के उज्जवल नाम पर धब्बा लगा रहे हो।

अच्छा, वह कैसे ?

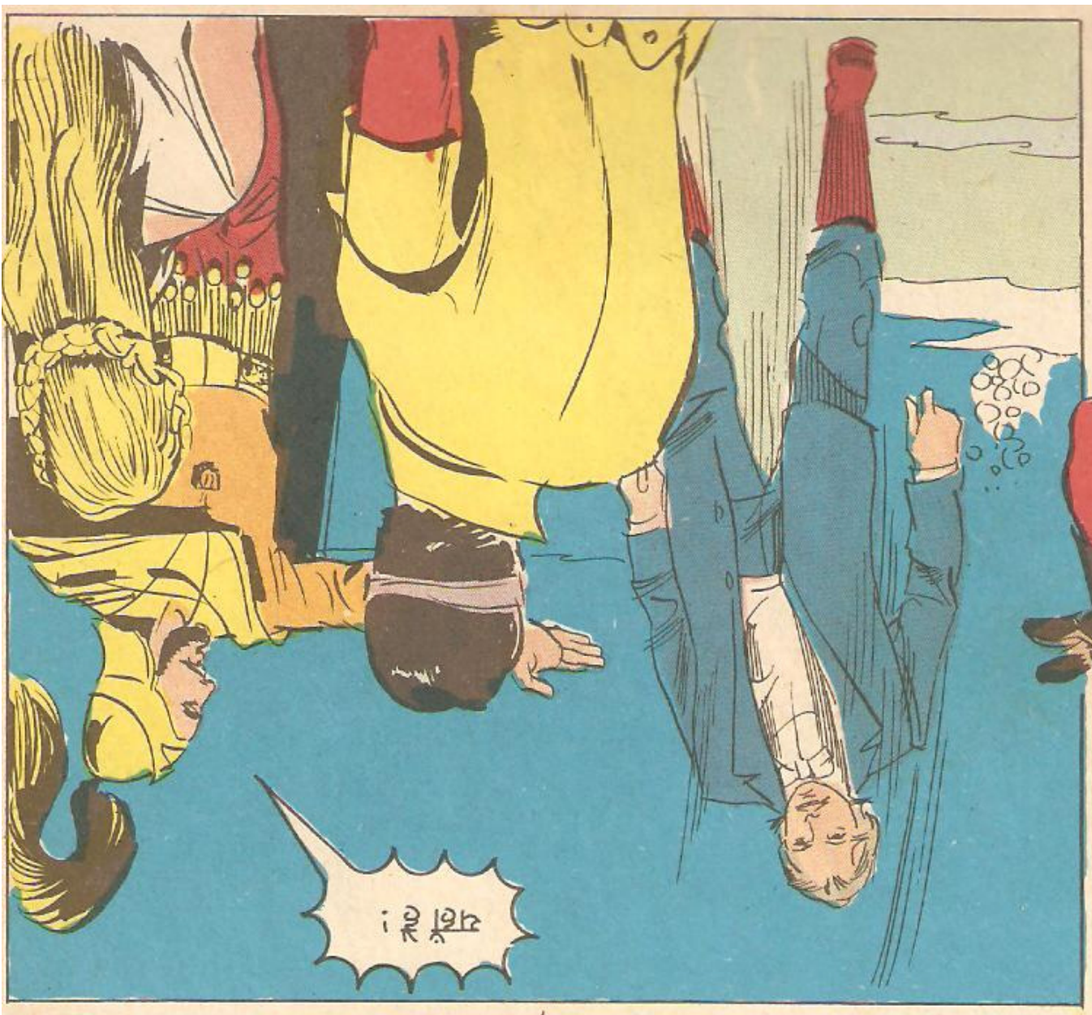
गहरी है !

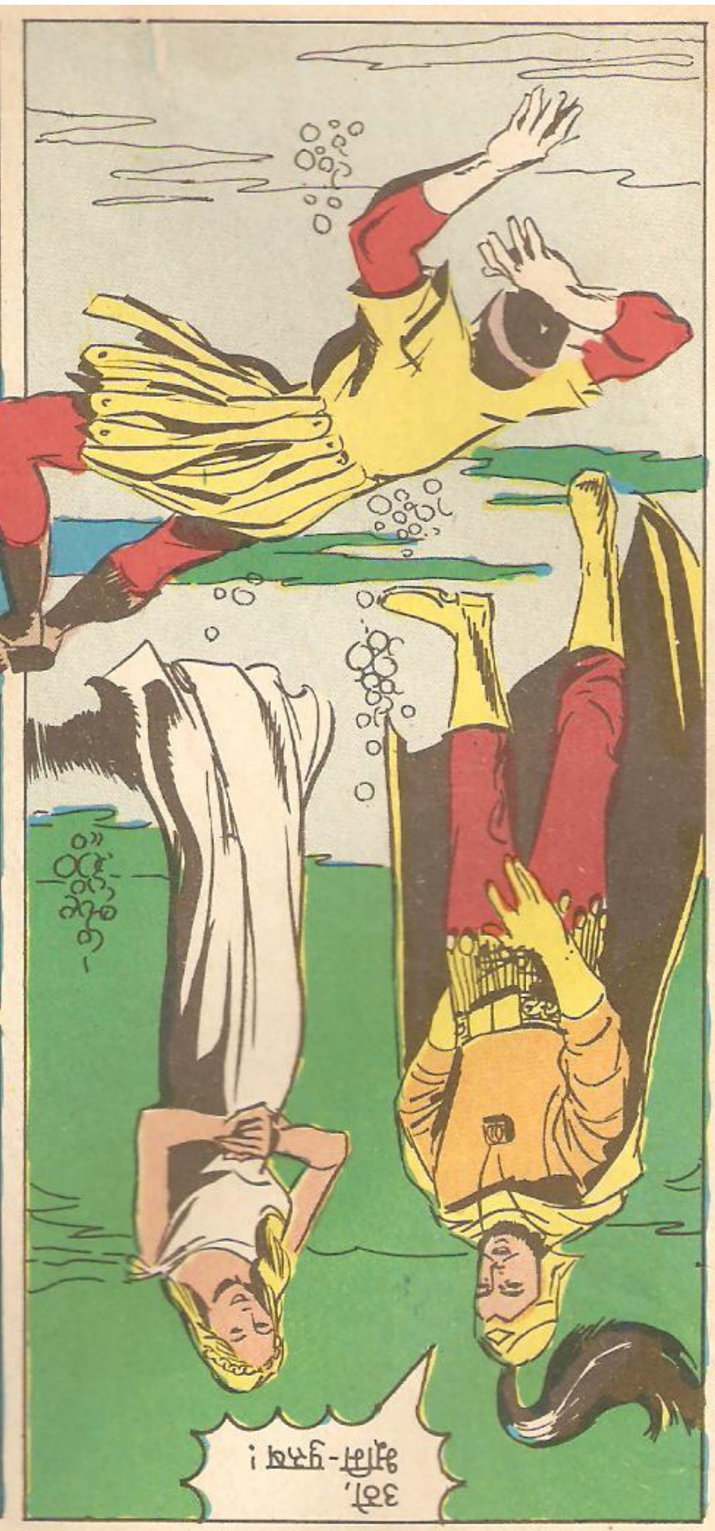
हे भगवान !
उठो, श्रीमान-पुरुष !

कहो, अब कैसा लगा रहा है ?
बिलकुल ठीक। बस जरा-सा थकावट आ रही है। क्या दौरा करोगे ?

तुझे याद है, हमारे पिता ने हँसते क्या कहा था ? यह, कि इस सम्राज्य की स्थायी व्यापार और साम्राज्य के उत्थानमें सिंहलोंने के अनुसार हुई है। यह श्रीमान-पुरुष हमारे यहाँ शालिवाय उद्देश्य से आया है।
किंतु हुरे अपने ज्ञान- भंडार की पूर्ति करने के लिए इसकी जरूरत है।

किंतु इसकी इच्छा और विवेक-बुद्धि के विपरीत इसने कुछ भी काम नहीं करना चाहेगी। यह सब रोक दो, आओ ! मैं तुझे अपने पूरा पिता की के लाख का वास्ता देती हूँ।

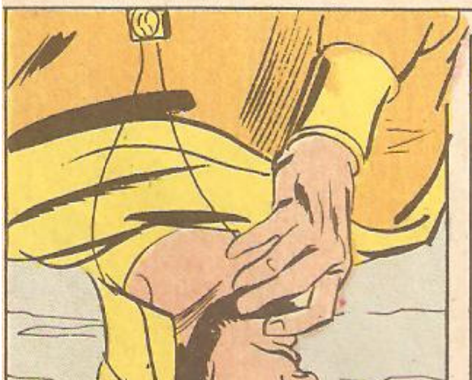
ऊँ... हाँ, दारुरोलिया, कहती तो तुझे ठीक हो।

सुप्रीमो ! मैंने तो समझा था कि अब तुमसे कभी मुलाकात न होगी।

भूमि- पुरुष, तुमने मुझे काफी परेशान किया है। फिर भी, तुम हो शूरवीर ! परमात्मा की इच्छा हुई,

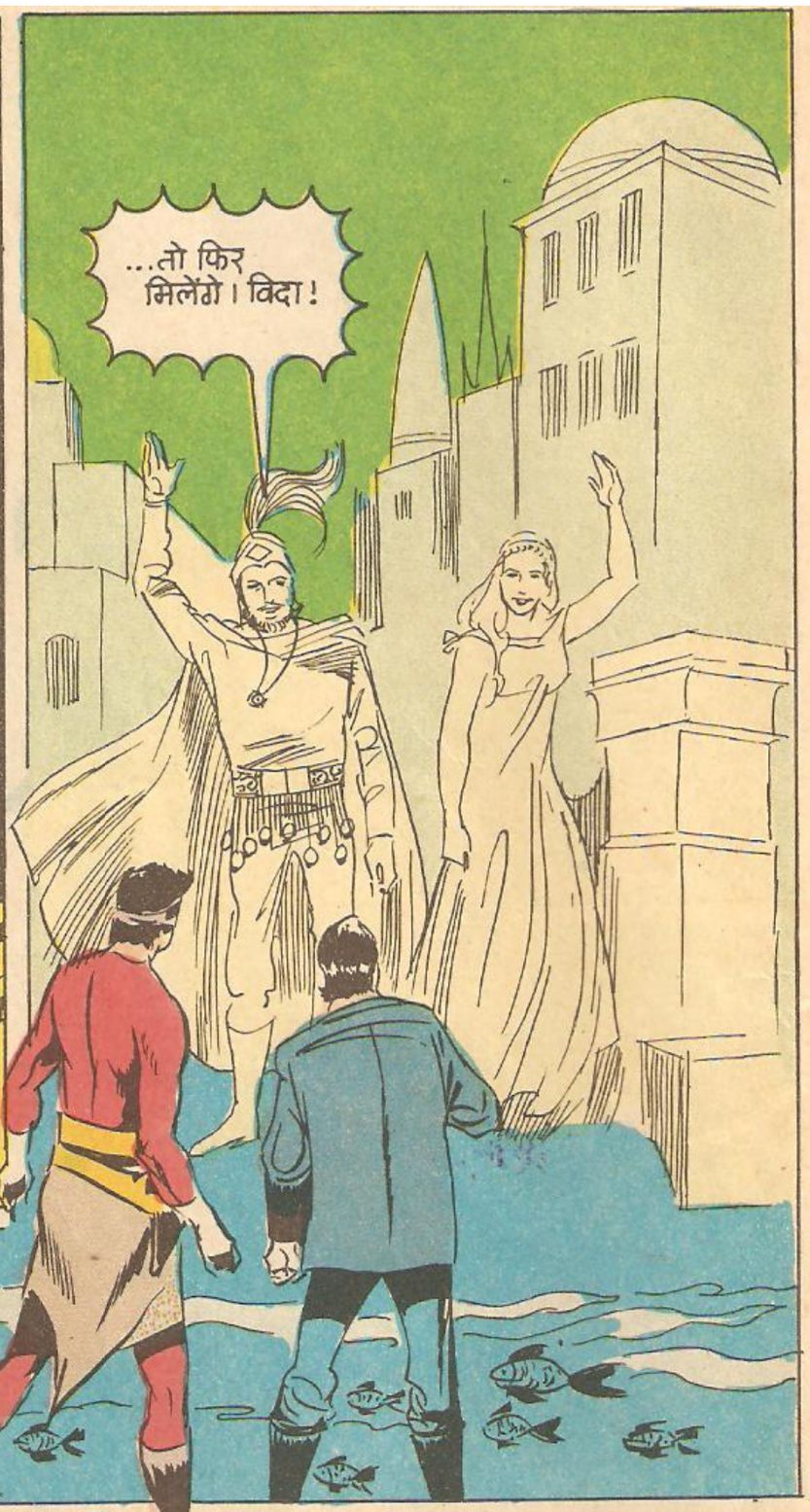
...तो फिर मिलेंगे। विदा !

अगले ही क्षण—

ऐ, हम कहाँ हैं ? वे सब कहाँ गये ?
यह मेरी पनडुब्बी है... कैसा विचित्र अनुभव था ! कहीं वह सारा सपना तो नहीं था ?

मेरे लिए वह किसी खौफनाक सपने से ज्यादा भयंकर था।
शायद तुम्हारा कहना सही है। अब घर चलें।

एड्गर राइस बरो का

टार्जन और टार्जन का बेटा 'कोराक'

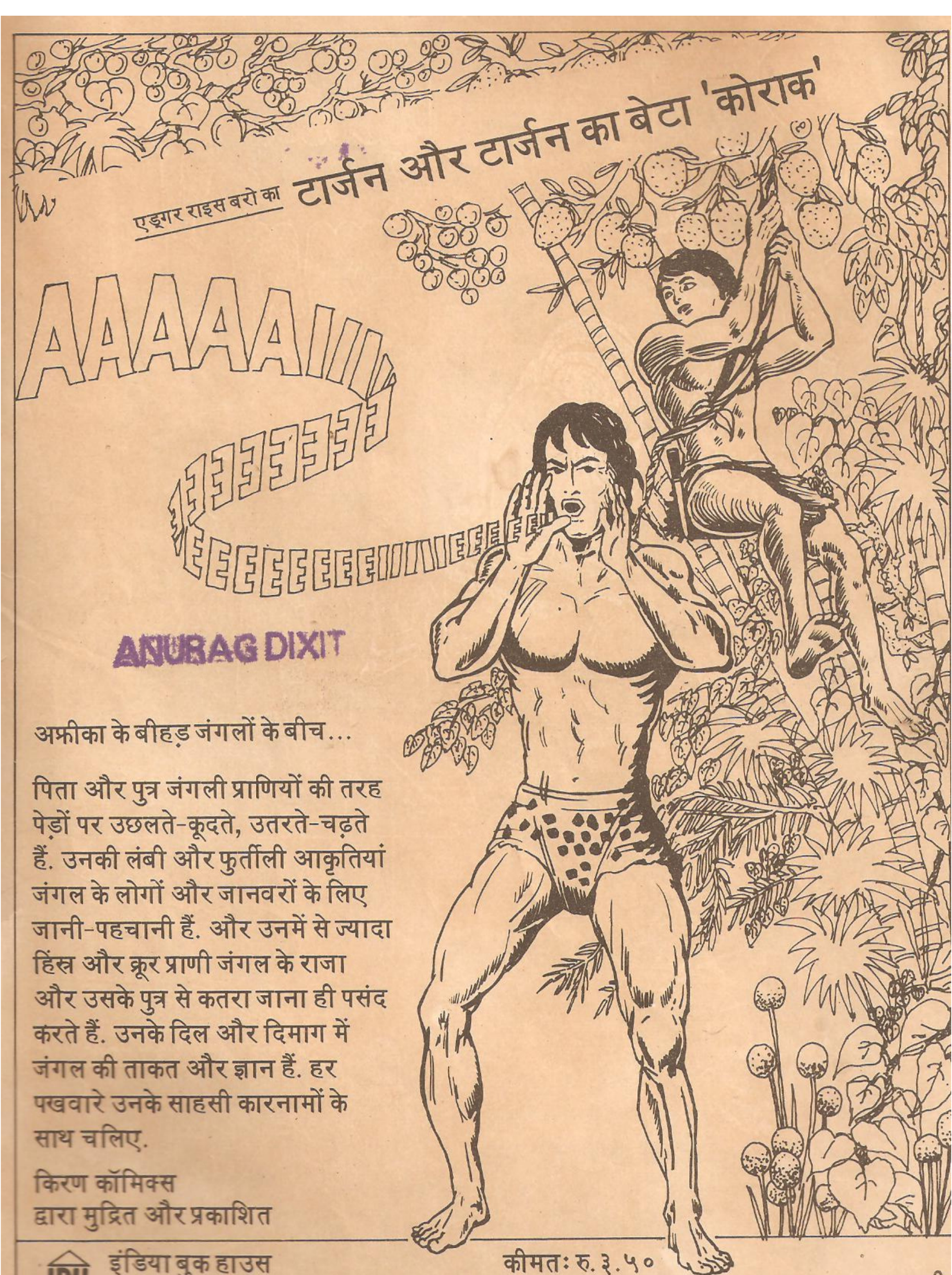
AAAAAIII

USP

ANUBAG DIXIT

इन्तेज़ार, इन्तेज़ार.
आ रहा है एक और सुपर स्टार.
स्टार कॉमिक्स मालिका में–
एक और स्टार.

जेम्स बॉन्ड ००७

जेम्स बॉन्ड ००७-बहुत ही मशहूर सुपर जासूस

बहादुर,
खुश-मिज़ाज, जांबाज़.
बन्दूक़ों, हसीनाओं, साज़ोसामान से लैस.

पढिये हर महीने.
मार-घाड़ से भरपूर, सनसनीखेज.
बहुत ही खतरनाक दुश्मनों के साथ
निहायत खतरनाक मुकाबिला.

STAR COMICS
IBH

प्रकाशन, प्रसारण व विक्री व्यवस्था

इंडिया बुक हाऊस

महालक्ष्मी चैम्बर्स, २२ भोलाभाई देसाई रोड, बम्बई-४०००२६.

अन्य आकर्षण: लॉरेल और हार्डी, सुपरमैन, और
सुप्रीमो के रूप में अमिताभ बच्चन.